# आपने लिखा

अंक 37 पढ़ा। खासकर कमला सोहनी की जीवनी। लेख पढ़ने के बाद कमला सोहनी ने बाद में अपने वैज्ञानिक कैरियर में क्या किया, यह जानने की इच्छा हुई। किन्तु लेख के अंत में कमला सोहनी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। कृपया कमला जी के बारे थोड़ी जानकारी दीजिए।

इसी तरह 'घड़ी जिसने देशांतर रेखा का इनाम जीता' पढ़ा। पेज 64 पर दिया गया बॉक्स 'देशांतर व स्थानीय समय' समझने में तो आसान है लेकिन लेखक 'भारत-हिन्दुस्तान' के बीच कहीं झूल रहे थे। कभी वे भारत कहते, कभी हिन्दुस्तान।

'अंधा सांप' काफी जानकारियों से भरा लेख है। इस लेख में पेज 95 पर कहा गया है कि अंधे सांप की अधिकतम लंबाई 17 सेंटीमीटर होती है। उसी पेज पर हथेली में लिपटा सांप 44 सेंटीमीटर लंबा बताया गया है। स्थिति स्पष्ट कीजिए।

एस. एस. यदुवंशी
होशंगाबाद म. प्र.

*कमला सोहनी ने बेंगलोर में अपना रिसर्च पूरा करने के बाद इंग्लैंड में रहते हुए वनस्पति कोशिकाओं में साइटोक्रोम-सी से संबंधित शोधकार्य करके पी एच. डी. प्राप्त की। बाद में भारत आकर न्यूट्रिशन रिसर्च लैब, कुन्नूर; इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बम्बई आदि में भोजन और पोषक पदार्थों से संबंधित विविध काम किए। काफी साल बम्बई में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों संबंधी मार्गदर्शन भी किया। उनके कामों के लिए उन्हें कई सम्मान भी मिले हैं।*

*अंधे सांप के बारे में यह आम मान्यता है कि ये कम लंबाई वाले होते हैं। लेकिन संदर्भ में जिस चोंचदार अंधे सांप का चित्र प्रकाशित किया गया है उसकी लंबाई वाकई 44 सेंटीमीटर ही है।*

*– संपादक*

संदर्भ के संपादक मंडल को मैं सुझाव देना चाहूंगा कि आप संदर्भ में अंधविश्वासों को दूर करने के लिए विविध घटनाओं और उनके पीछे निहित विज्ञान की जानकारी देना शुरू करें, क्योंकि हमारे समाज का एक तबका विज्ञान के खेल दिखाकर लोगों को ठग रहा है। सच्चाई यह है कि जिसे भी इन खेलों के पीछे छिपे निहित विज्ञान की जानकारी होगी, वह इन्हें खुद कर सकता है।

संदर्भ के पाठकों को यदि ऐसे चमत्कारपूर्ण खेलों के विज्ञान की जानकारी हो तो वे उन्हें और लोगों को समझाएं ताकि लोग ठगी से बच सकें।

राजकुमार बसल
भदरा, राजस्थान